



तप और त्याग की भावना करने से धन अपने आप बढ़ता है।

Wealth automatically increases if the feeling of penance and abstinence exists.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 197 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 25 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचन कार्य में लापरवाही, प्राचार्य पर जिरी जांच, कलेक्टर ने किया निलंबित रायपुर (विसं)। शहीद वीर लालायण सिंह भाष्यविद्यालय बिलाइंगड के प्राचार्य उमाशंकर मिश्र की डूबूटी नगर पंचायत भवानों में सदाक रिटर्निंग ऑफिसर के पद में लगाई थी, लैंकिंग वह लगातार अनुपस्थित रहे। भास्मले में कार्यवाई करते हुए वह लगातार अधिकारी धर्मश कुमार साह ने प्राचार्य को निलंबित कर दिया है।

शंकर नगर ओहर ब्रिज में लग रहा लंबा जाम आवाजाही प्रभावित

रायपुर (विसं)। शंकर नगर ओहर ब्रिज के पास चालू दुआ सिंजनल लोगों के लिए राहत कम मुश्वीत का कारण अधिक बना है। जब से सिंजनल सिस्टम शुल्क है तब से ओहरब्रिज के चारों ओर लंबा यातायात जाम सुबह शाम लग रहा है। शारीर नगर विवारी शैलेंद्र भिंडिया ने यातायात व्यवस्था सुधार बनाने के लिए पुलिस अधिकारी रायपुर से मांग की है। ज्ञातव्य है कि भगत सिंह थोक से टीवी टॉवर रोड वाले ओहरब्रिज से विवारसभा की ओर जाने वाले हाईअर्डिपी गाड़ियों का फिल्मी मान उक्त अवधि में आता जाता है। जिसकी वजह से यातायात व्यवस्था और ज्यादा बिंगड़ी है। शंकर नगर क्षेत्र से अनेक कालालियों के रास्ते जुड़ हुए हैं जिसके चलते इन दिनों शंकर नगर शहर के मध्य क्षेत्र में शुरार हो जाये हैं।

महाराष्ट्र के मंडारा में ऑर्डिनेंस फैवट्री में भीषण विस्फोट, 8 लोगों की मौत



भंडारा/महाराष्ट्र (आरएनएस)

महाराष्ट्र में भंडारा के जवाहर नगर में एक ऑर्डिनेंस फैवट्री के आरके ब्रांच सेक्शन में शुक्रवार को अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में आठ कम रक्षारियों के माने की आशंका जारी है। गुण में से कम 12 लोग उड़ाके नीचे दब गए। उनमें से दो को लोगों वाली बिल्डिंग की खबर है। धमाके की आवाज इतनी तेज़ी कि पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिले में एक आयुध कारखाने में विस्फोट के कारण छत पिछले से 13 से 14 श्रमिक फंस गए हैं। उनमें से 5 को सुश्चित निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर हैं और हर कोई सहायता की जा रही है। बचाव कार्यालय नियम नामकी नीति के लिए एसडीआरएफ और नागर नगर नियम नामकी नीति की टीमें

जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं तथा दमकलकर्मी स्थिति पर काबू पाने में लगे हुए हैं। जिला कलेक्टर ने बताया कि विस्फोट के कारण छत ढह गई और कम से कम 12 लोग उड़ाके नीचे दब गए। उनमें से दो को लोगों वाली बिल्डिंग की खबर है। धमाके की आवाज इतनी तेज़ी कि पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिकित्सा दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित आर्डिनेंस फैवट्री में सुबह भास्मक और चिकित्सा दल में सहायता की जाएगी। इसका आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी दी। विस्फोट की सूचना पर तकाल बचाव और चिक

संपादकीय

अपराधियों के फ मुहिम.....

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि समय आ गया है

कि अपराध करने के बाद देश फरार भगोड़ों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करे। केंद्रीय जांच व्यूरो द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल लॉन्च करते हुए शाह ने कहा कि इससे देश की हर जांच एजेंसी और पुलिस बल सरलता से इंटरपोल के साथ जुड़ कर जांच को रफ्तार दे सकेगा। मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन नये अपराधिक कानूनों में आरोपियों की अनुपस्थिति में ट्रायल के प्रावधान को जोड़ने की चर्चा करते हुए उन्होंने हथियारों और मादक पदाथरों व मानव तस्करी और सीमापार होने वाले आतंकवाद के खिलाफ नई व्यवस्था को सहायक बताया। भारतपोल के पांच प्रमुख प्रारूप कनेक्ट, इंटरपोल नोटिस, रेफरेंस, ब्राडकास्ट और रिसोर्स के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजिसियों के लिए तकनीकी रूप से मददगार साबित होने की उम्मीद है। इसके 195 देशों के इंटरपोल से ब्राडकास्ट के जरिए सीधा जुड़ने से दस्तावेज और जरूरी जानकारियों का लेन-देन आसान हो जाएगा। इसकी विशेषता रिअल टाइम इंटरफेस भी है जो सीधा संवाद स्थापित करेगी। अब तक सीबीआई, आईएओ और यूओ के बीच संचार ई-मेल तथा फैक्स द्वारा ही संभव था। अंतरराष्ट्रीय डाटा सुरक्षित रखने, रेडकॉर्नर नोटिस और अन्य कानूनी नोटिसों के आदान-प्रदान में सहूलियत के साथ ही इंटरपोल के ऊपर प्रकार के डाटाबेस का विश्लेषण तथा अपराधियों को पकड़ने की व्यवस्था हो सकेगी। भगोड़े अपराधियों को देश वापस लाने में सरकार को लोहे के चने चबाने पड़ रहे हैं जिससे न केवल देशवासियों के समक्ष, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भी कानूनी पकड़ और न्याय-व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लगते रहते हैं। कड़े कानूनों का लाभ तभी है, जब विदेश में छिपे घोषित अपराधियों की धरपकड़ कर उन्हें सजाएं दी जा सकें। भगोड़ों को पकड़ कर देश वापस लाने के मोदी सरकार के दावों की लंबे समय से फजीहत होती रही है। तय रूप से शाह इस स्थिति से निकलने के प्रति गंभीर होंगे। बेहतरीन होती विदेश नीति का फायदा लेते हुए सरकार को उच्च तकनीक के मार्फत दुनिया भर के भगोड़े अपराधियों के खिलाफ मुहिम चलाने में आसानी होगी। हैक्स और जालसाजों द्वारा अति गोपनीय जानकारी में सेंध लगाने की गुंजाइश पर भी नजर रखी जा सकेगी।

आलय

वृद्ध लोग समाज के मूल्यवान सदस्य.....

आमत बजनाथ ग

हाल हा म सऊदा अरब क रयाद म ग्लोबल हल्थ स्पन शखर
ममेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं
वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों
स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर समाजे आई। सम्मेलन में
तीरीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निर्माता और
चारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष
ने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है
दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ
उत्तरारे हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए
वश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह
भी समाने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष
जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है। वक्ताओं
कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन
अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढ़ने
साथ कई पूर्वग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के
में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विविद्यालय
प्रोफेसर जॉन आर. बिर्यड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी
वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को
बनवूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को
अवरंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान
ए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू
पाद का अनुमानित सात फीसद योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि

द्वारा आबादा आर्थिक स्थरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की छ्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है। उन्होंने हां कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर ना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन तिरिक 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे हमारी सोच को फिर से परिभूषित करेगा। वहां कार्यबल में बने ने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी है। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं सेवनिवृत्ति के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुदाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि बृद्ध लोगों को जाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नारात्मक रुद्धिवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के भीं के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और वर्ध्यवस्था तक पहुंचाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित गों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने और उम्र संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य विधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह कंडा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। एम रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और एक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के बीच में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला वर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहां देश बृद्धावस्था के क्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी अधिक या 337 मिलियन डॉलर बृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने खर्च होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि उम्र बढ़ने के मूल कारणों को सेवित करने से व्यक्तिगत बीमारियों को लक्षित करने की तुलना में वेश पर अधिक लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विश्व जनसांख्यिकी संरचना में परिवर्तन हो रहा है

प्रवासियों से बढ़ेगा विदेशी निवेश

ડા. જયંતીલાલ ભંડારી

भगाड़ अपराधिया क खिलाफ मुहिम.....

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि समय आ गया है कि अपराध करने के बाद देश फरार भगोड़ों को पकड़ने और उन्हें न्याय के कठघरे में लाने के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करे। केंद्रीय जांच व्यूरो द्वारा विकसित भारतपोल पोर्टल लॉन्च करते हुए शाह ने कहा कि इससे देश की हर जांच एजेंसी और पुलिस बल सरलता से इंटरपोल के साथ जुड़ कर जांच को रफतार दे सकेगा। मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन नये आपराधिक कानूनों में आरोपियों की अनुपस्थिति में ट्रायल के प्रावधान को जोड़ने की चर्चा करते हुए उन्होंने हथियारों और मादक पदाथरे व मानव तस्करी और सीमापार होने वाले आतंकवाद के खिलाफ नई व्यवस्था को सहायक बताया। भारतपोल के पांच प्रमुख प्रारूप कनेक्ट, इंटरपोल नोटिस, रेफरेंस, ब्राडकास्ट और रिसोर्स के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए तकनीकी रूप से मददगार साबित होने की उम्मीद है। इसके 195 देशों के इंटरपोल से ब्राडकास्ट के जरिए सीधा जुड़ने से दस्तावेज और जरूरी जानकारियों का लेन-देन आसान हो जाएगा। इसकी विशेषता रिअल टाइम इंटरफेस भी है जो सीधा संवाद स्थापित करेगी। अब तक सीबीआई, आईएओ और यूओ के बीच संचार ई-मेल तथा फैक्स द्वारा ही संभव था। अंतरराष्ट्रीय डाटा सुरक्षित रखने, रेडकॉर्नर नोटिस और अन्य कानूनी नोटिसों के आदान-प्रदान में सहायित के साथ ही इंटरपोल के उत्तीर्ण प्रकार के डाटाबेस का विश्लेषण तथा अपराधियों को पकड़ने की व्यवस्था हो सकेगी। भगोड़े अपराधियों को देश वापस लाने में सरकार को लोहे के चरे चबाने पड़ रहे हैं जिससे न केवल देशवासियों के समक्ष, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भी कानूनी पकड़ और न्याय-व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लगते रहते हैं। कड़े कानूनों का लाभ तभी है, जब विदेश में छिपे घोषित अपराधियों की धरपकड़ कर उन्हें सजाएं दी जा सकें। भगोड़ों को पकड़ कर देश वापस लाने के मोदी सरकार के दावों की लंबे समय से फजीहत होती रही है। तय रूप से शाह इस स्थिति से निकलने के प्रति गंभीर होंगे। बेहतरीन होती विदेश नीति का फायदा लेते हुए सरकार को उच्च तकनीक के मार्फत दुनिया भर के भगोड़े अपराधियों के खिलाफ मुहिम चलाने में आसानी होगी। हैक्स और जालसाजों द्वारा अति गोपनीय जानकारी में सेंध लगाने की गुंजाइश पर भी नजर रखी जा सकेगी।

निवेशकों की नजरों में और अधिक पसंदीदा देश बनाने की डार पर बढ़ाएगी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय जहां भारत के प्रवासी भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रहे हैं, वहां भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। हमारे प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। वस्तुतः विदेशों में भारत के प्रवासी भारत के राजदूत हैं और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अब भारत ने 2024 तक विकासित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से नए सहयोग की अपेक्षा है। अपेक्षा है कि प्रवासी भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी निवेश के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं। इस सम्मेलन में शामिल कई प्रवासी उद्यमी और कारोबारी यह कहते हुए दिखाई दिए कि नए वर्ष 2025 में भारतीय प्रवासियों से एफडीआई से संबंधित उजली संभावनाओं को मुटुई में लेने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉरपोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डगर पर आगे बढ़े। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीयों ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा जारी रिपोर्ट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया, जिसके मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खास तौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। यह निवेश 60 सेक्टर, 31

A photograph showing a group of people, likely refugees or migrants, walking away from the viewer on a paved road. They are carrying various items, including bags and bundles, on their heads and backs. The scene is outdoors, with trees and bushes visible in the background.

राज्य और केंद्र शासित क्षेत्रों में रहा है तथा यह एफडीआई का अब तक का रिकॉर्ड प्रवाह है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्स्ट्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निःसंदेह देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 8.2 फीसदी रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत वैश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बो

नाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, अर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप पर्सिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कारपोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढ़ने लगा है। भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की त्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रवासी भारतीय इस बात से बाकीफ हुए हैं कि वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफतार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक शानदार मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में

भारत के विकास में प्रवासी भारतीय का बड़ा योगदान

का दूसरा विषय है।

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 जनवरी को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय जहां प्रवासी भारतीय भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रहे हैं, वहीं भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। हमारे प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान रहे हैं वस्तुतः विदेशों में भारतीय प्रवासी भारत के राजदूत हैं, और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में भारत ने 2024 तक विकसित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उसे पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से सहयोग अपेक्षित है। अपेक्षा है कि वे भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उद्घेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं। सम्मेलन में शामिल कई प्रवासी उद्यमी और कारोबारी कहते हुए दिखाई दिए कि वर्ष 2025 में भारतीय प्रवासियों से एफडीआई से संबंधित उजली संभावनाओं को मुट्ठी में लेने के लिए जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाएं हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को

श्रीमती अन्नपर्णा देवी

जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनें के अपनी मर्जिल की तरफ आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओ योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव इस बात का प्रमाण है, कि हम महिलाओं के विकास से महिला-नेतृत्व में विकास तक के सफर में कितने आगे आ गए हैं। स्वामी विवेकानन्द ने एक बार कहा था, 'जब तक महिलाओं की स्थिति में सुधार करनहीं होता, तब तक विश्व के कल्याण की कोई संभावना नहीं है। किसी भी पंछी के लिए महज एक पंख के साथ उड़ना संभव नहीं है। उनके इस कालजयी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना की शुरूआत की। इस ऐतिहासिक पहल का मकसद भारत में गिरते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) पर ध्यान देना और यह सुनिश्चित करना था कि देश भर में लड़कियों और महिलाओं को वे सभी अवसर, देखभाल और सम्मान मिलें, जिनकी वे हकदार हैं। 2011 की जनगणना में बाल लिंग अनुपात 918 होने के साथ सामाजिक पूर्वांगों और नैदानिक उपकरणों के दुरुपयोग की चिताजनक तस्वीर सामने आई। एक लक्ष्य

सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डायर पर आगे बढ़े। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीयों ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया जिसके मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितम्बर, 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया। खास तौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितम्बर, 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्रशासित क्षेत्रों में रहा है तथा एफडीआई का यह अब तक का रिकॉर्ड प्रवाह है। खास बात यह भी है कि 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के अर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार बड़ी उपलब्धि है। यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रेत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रेत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस नेकुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरे स्थान है। बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन भी शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस,

बेटी पढ़ाओ के उत्तर वाले विकास के साथ तथा जीवन-चक्र-केंद्रित कदमों के ज़रिए, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को न केवल इस तस्वीर को बदलने के लिए लॉन्च किया गया था, बल्कि एक ऐसे भविष्य की नींव भी रखी गई, जहां महिलाएं नेतृत्व करें और आगे बढ़ें। पिछले एक दशक में, इस योजना ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के अनुसार, 2014-15 में जम के समय राष्ट्रीय लिंग अनुपात 918 से बढ़कर 2023-24 में 930 हो गया है। संस्थागत प्रसव के मामले भी 2014-15 में 61.1 लाख से बढ़कर 2023-24 में 97.3 लाख हो गए हैं, जबकि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल पंजीकरण 61 लाख से बढ़कर 80.5 लाख हो गया है। माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात 2014-15 में 75.51 लाख से बढ़कर 2021-22 में 79.4 लाख हो गया। इसके अलावा, पुरुष और स्त्री नवजात शिशुओं के बीच शिशु मृत्यु दर में अंतर तकरीबन खत्म हो गया है, जो उत्तरजीविता और देखभाल में समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन, आंकड़ों में सुधार की सीमा से कहीं आगे निकल गया है। इसने महिला सशक्तिकरण के मायने ही बदलकर रख दिए हैं। अक्टूबर 2023 में 150 महिला बाइकर्स द्वारा 10,000 किलोमीटर की यात्रा, यशस्विनी बाइक अभियान जैसी पहल, भारत की बेटियों के अदम्य साहस का प्रतीक है। 2022 में कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव ने, स्कूल न जाने वाली करीब 1,00,786 लड़कियों को फिर से स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया, जो जीवन को बदलने में शिक्षा की शक्ति का प्रदर्शन

सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निस्सदैहेद देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, आर्थिक और वित्तीय सुधारों की अहम भूमिका है। इसमें दो मत नहीं हैं कि प्रवासी भारतीय इस बात से वाकिफ हुए हैं कि वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक शानदार मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं, और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई देश नहीं दिख रहा। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है, और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। निश्चित रूप से देश का बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में एफडीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा भारत नया विश्व मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से

० साल पूरे: विकास को आगे बढ़ाने हैं।

कौशल विकास पर आधारित गार्डीय सम्मेलन ने, कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया, जिससे हम महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के अपने दृष्टिकोण के और करीब आ पाए। आज, जब इस परिवर्तनकारी पहल के दस साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, साफ है कि मिशन अभी खत्म नहीं हुआ है। हमें अगर विकसित भारत के अपने सपने को हासिल करना है, तो यह तय करना जरूरी है कि लड़कियां और महिलाएं हमारे राष्ट्र-निर्माण प्रयासों के केंद्र में रहें। भारत तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक इस देश की लड़कियाँ और महिलाएँ अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के काबिल नहीं हो जातीं। यह हमारे लिए निर्णायक कार्रवाई करने का वक्त है। हमें गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम 1994 के कार्यान्वयन को मजबूत करना चाहिए, शिक्षा में ड्रॉपआउट दर को संबोधित करना चाहिए, कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार करना चाहिए और लड़कियों के जीवन के हर चरण में ज़रूरी मदद देनी चाहिए। वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए, भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी 41.7% थी। हालांकि यह पिछले वर्षों की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है, लेकिन पिछले भी यह पुरुषों की श्रम शक्ति भागीदारी के मुकाबले कम है। गौर करने की बात यह भी है कि शहरी क्षेत्रों में महिला श्रम बल की भागीदारी, देश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला श्रम बल की भागीदारी से कम है। भारत में बड़ी संख्या में महिलाएँ अवैतनिक घरेलू देखभाल कार्य में शामिल हैं। हमारा प्रयास न केवल अधिक महिलाओं के लिए अपने घरेलू क्षेत्रों को

आधिकाश निवेशकों का भारत से बहतर काइ नहा दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफ्टीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। निश्चित रूप से देश का बढ़ता मैन्यूफैक्रिंग सेक्टर देश में एफ्टीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्यूफैक्रिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। साथ ही मैन्यूफैक्रिंग सेक्टर में भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा भारत नवा विश्व मैन्यूफैक्रिंग हब बनाने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्यूफैक्रिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्घोगपतियों के द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है। हम उम्मीद करें कि इस वर्ष 2025 में सरकार प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से भारत के लिए अधिक एफ्टीआई प्राप्त करने के नए रणनीतिक प्रयास करेगी। साथ ही एफ्टीआई के लिए भारत को पसंदीदा देश बनाए जाने की बहुआयामी संभावनाओं को साकार करने के लिए सरकार और अधिक प्रयास करेगी। हम उम्मीद करें कि नए वर्ष 2025 में भारत की विश्वल कौशल प्रशिक्षित युवा आबादी नवाचार, तकनीकी और डिजिटल नवोन्मेषों के साथ भारत को दुनिया के विदेशी निवेशकों की नजरों में और अधिक पसंदीदा देश बनाने की डगर पर तेजी से आगे कदम बढ़ाएगी। हम उम्मीद करें कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद अब इस वर्ष 2025 में प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से अधिक एफ्टीआई प्राप्त होने, भारत की नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना के कारण कार्यान्वयन, नीतिगत सुधारों, उत्पादों के कारोबार के लिए सिंगल विंडो मंजूरी, इमरस्ट्रक्टर, श्रमिकों के नए दौर के अनुरूप शिक्षण प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न अर्थिक और वित्तीय सुधारों से भारत दुनिया के पहले पांच सबसे पसंदीदा एफ्टीआई वाले देशों के ऊंचे क्रम पर रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्योगपतियों द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है। हम उम्मीद करें कि 2025 में सरकार प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से भारत के लिए अधिक एफडीआई प्राप्त करने के नये रणनीतिक प्रयास करेगी। एफडीआई के लिए भारत को पसंदीदा देश बनाए जाने की बहुआयामी संभावनाओं को सकार करने के लिए भी सरकार और अधिक प्रयास करेगी। हम उम्मीद करें कि 2025 में भारत की विशाल कौशल-प्रशिक्षित युवा आबादी नवाचार, तकनीकी और डिजिटल नवोन्मेषों के साथ भारत को दुनिया के विदेशी निवेशकों की नजरों में और अधिक पसंदीदा देश बनाने की डगर पर तेजी से आगे कदम बढ़ाएगी। हम उम्मीद करें कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद अब 2025 में प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से अधिक एफडीआई प्राप्त होने, भारत की नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना के कारण रक्कार्यान्वयन, नीतिगत सुधारों, उत्पादों के कारोबार के लिए सिंगल विंडो मैजरी, इंफ्रास्ट्रक्चर, श्रमिकों के नये दौर के अनुरूप शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न अर्थक और वित्तीय सुधारों से भारत दुनिया के पहले पांच सबसे पसंदीदा एफडीआई बाले देशों के ऊंचे

क्रम पर रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

विसित भारत के का सफर जारी

छोड़कर घर से बाहर रोजगार करने के लिए एक माहौल को बढ़ावा देना होना चाहिए, बल्कि एक वाजिब कैरियर और पेशे के तौर पर देखभाल कार्य को बढ़ावा देने के साधन भी बनाने चाहिए, ताकि जो महिलाएं देखभाल कार्य में प्रशिक्षित हैं, और इसे आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो वे इससे भी वित्तीय आजादी हासिल कर सकें और अपने प्रयासों से देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान भी दे सकें। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, कार्यबल लिंग में अंतर को कम करने से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 20 लाख की वृद्धि हो सकती है। भारत के लिए, यह सिर्फ एक अवसर नहीं है, बल्कि एक ज़रूरत है। महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बेहद ज़रूरी है। बेटी बच्चाओं बेटी पढ़ाओं योजना महज़ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा आंदोलन है, जिसने लाखों लोगों को प्रेरित किया है और महिलाओं को भारत की प्रगति में सबसे आगे खड़ा किया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, आज हम एक ऐतिहासिक बदलाव देख रहे हैं। महिला विकास से लेकर महिला नेतृत्व वाले विकास तक, भारत की बेटियां चेंजमेकर, उद्यमी और नेता के रूप में उभर रही हैं। वे अपनी कामयाबी की कहानी की हीरो खुद हैं। आइए हम सब मिलकर उनके सपनों को संजोएं और उनकी यात्राओं को सशक्त बनाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत अपनी आजादी के 100 साल एक ऐसे राष्ट्र के रूप में पूरे करे, जहां हर महिला इसके भाग्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएं।

